सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 231 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 28 सितम्बर, 2023
मूल्य ₹ 3/-

हम पैसे बनाने के लिए सेवाओं का निर्माण नहीं करते, हम पैसे बनाते हैं ताकि बेहतर सेवाओं का निर्माण कर सकें।
-मार्क जुकरबर्ग

मप्र में 20 साल का कुशासन... 2 | मप्र में भाजपा की सूची में केंद्रीय... 3 | लालू को अपने लड़के को सीएम बनाने... 7

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा

भाजपा का दफ्तर जलाया, पीएम मोदी के न जाने पर उठे सवाल

» जुलाई से लापता दो छात्रों की लाशों की तस्वीर मिलने से मचा बवाल

» जहां भड़की हिंसा उन्हीं इलाकों को सरकार ने घोषित किया 'शांतिपूर्ण'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। जुलाई से लापता दो छात्रों की लाशों की तस्वीर सामने आने के बाद मणिपुर में एक बार फिर से हिंसा भड़क गई और माहौल तनावपूर्ण हो गया है। इन तस्वीरों के सामने आने के बाद राजधानी इंफाल में फिर से लगातार हिंसक घटनाएं सामने आ रही हैं। इस दौरान कई इलाकों में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों के बीच हिंसक झड़प भी देखी गई। इन प्रदर्शनकारियों में बड़ी संख्या में छात्र शामिल थे।

इस हिंसा में 50 घायल हुए हैं जिनमें से ज्यादातर स्कूली छात्र हैं। इस दौरान सबसे चौंकाने वाली बात ये है कि जिन इलाकों में हिंसा भड़की है और लोगों की जानें गई हैं, मणिपुर सरकार ने उन इलाकों को शांतिपूर्ण घोषित कर रखा है और एएफएसपीए से भी दूर रखा गया है। ऐसे में एक बार फिर प्रदेश की भाजपा सरकार सवालों के घेरे में है।

भाजपा अध्यक्ष के घर पर भी हमला

इस हिंसा की चपेट में भाजपा का कार्यालय और मणिपुर भाजपा अध्यक्ष का घर भी आ चुका है। बुधवार को प्रदर्शनकारियों ने थोबुल जिले में बीजेपी ऑफिस में भी आग लगा दी। वहीं इंफाल में भाजपा अध्यक्ष शारदा देवी के घर पर हमला किया और मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह का पुतला जलाया गया। इंफाल वेस्ट जिले में प्रदर्शनकारियों ने डिप्टी कलेक्टर के घर में आगजनी की कोशिश की। घर के कैंपस में खड़ी दो कारों को आग लगी दी और खिड़कियों के कांच तोड़ दिए। इंफाल में प्रदर्शनकारियों की भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले, नकली बम फेंके और पैलेट गन चलाई। इंफाल के सिंग जामेई इलाके के 20 साल के एस उत्तम नाम के छात्र के सिर में कई छर्रे घुसने से उसकी हालत गंभीर है।

पीएम मोदी के मणिपुर न जाने पर हो रही आलोचना

एक ओर मणिपुर लगातार जल रहा है, लेकिन देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इससे पूरी तरह से बेखबर नजर आ रहे हैं। योंकि पीएम मोदी ने अभी तक मणिपुर का एक भी दौरा तक नहीं किया है और न वो वहां की स्थितियों का जायजा लेने पहुंचे हैं। यही वजह है कि पीएम मोदी के मणिपुर न जाने पर विपक्ष समेत आम जनता भी लगातार सवाल उठा रही है। इसको लेकर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि मणिपुर 147 दिनों से जल रहा है लेकिन पीएम मोदी को वहां जाने का समय नहीं है। वहीं राहुल गांधी भी इसको लेकर पीएम मोदी पर निशाना साध चुके हैं। गौरतलब है कि राहुल गांधी मणिपुर का दौरा कर चुके हैं और वहां के पीड़ितों से मुलाकात भी कर चुके हैं।

सीएम बीरेन सिंह और सरकार पर मैतेई समर्थक होने के आरोप

इस दौरान सीएम बीरेन सिंह और सरकार पर पहले ही मैतेई समर्थक होने के आरोप लगाते रहे हैं। ये फैसला विवादों में इसलिए है योंकि शांतिपूर्ण घोषित किए गए इंफाल, थोबुल में ही मैतेई लोगों की भीड़ ने आगजनी की और भाजपा दतर जला दिया। स्कूल खुलने के बाद इन्हीं इलाकों में स्टूडेंट इकट्ठा हुए और प्रदर्शन किया। इसी के बाद हिंसा फिर भड़की और 50 लोग घायल हुए हैं। ऐसे में हिंसाग्रस्त इलाकों को शांतिपूर्ण बताकर एएफएसपीए से दूर रखा जाना फिलहाल समझ से परे है।

वहीं लगातार हिंसक घटनाएं होने के बाद भी पीएम मोदी के न तो इन पर बोलने पर और न मणिपुर जाने पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। 3 मई से शुरू हुई हिंसा में शुरू से अब तक सरकार और सुरक्षाबलों के खिलाफ लोगों में इतनी नाराजगी देखने को नहीं मिली थी।

पंजाब में किसानों का रेल रोको आंदोलन, जाम किए रेलवे ट्रैक

» फसलों की बर्बादी पर मुआवजे की मांग को लेकर तीन दिवसीय प्रदर्शन

» ट्रैक जाम होने से यातायात में पड़ा व्यवधान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमृतसर। पंजाब में एक बार फिर किसान आंदोलन की यादें ताजा हो गई हैं। क्योंकि प्रदेश में एक बार फिर किसान उसी अंदाज में केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन पर बैठ गए हैं। पंजाब के 19 किसान-मजदूर संगठनों ने अपनी मांगों को लेकर आज से 30 सितंबर तक रेल रोको आंदोलन शुरू कर दिया है।

पंजाब भर में किसान रेलवे लाइनों पर बैठ गए हैं। रेलवे ट्रैक जाम होने के बाद दिल्ली से अमृतसर, पठानकोट से अमृतसर और पंजाब से चंडीगढ़ के रेलवे ट्रैक पर ट्रेनों का चक्का जाम हो गया है। ट्रेनों का चक्का जाम होने के कारण सैकड़ों यात्री पंजाब के रेलवे स्टेशनों पर फंस गए। किसानों का ये प्रदर्शन फसल बर्बाद होने पर मुआवजे की मांग को लेकर हो रहा है।

प्रति एकड़ 50 हजार रुपए मुआवजा देने की मांग

किसानों का कहना है कि बाढ़ और बरसात से फसलों का भारी नुकसान हुआ है। बहुत सारे किसानों की न तो अभी तक गिरदावरी हुई है और न ही उन्हें मुआवजा मिला है। जिन्हें मिला भी है, वह बहुत कम है। किसान संगठनों का कहना है कि कम से कम प्रति एकड़ 50 हजार रुपए मुआवजा किसानों को दिया जाए। साथ ही केंद्र सरकार भी बाढ़ से हुए नुकसान के लिए 50 हजार करोड़ रुपए पंजाब को दे।

17 जगहों पर जाम किया रेलवे ट्रैक

इस आंदोलन में 19 जत्थेबंदियों ने 17 जगहों पर रेलवे ट्रैक जाम कर दिया है। इसमें मोगा रेलवे स्टेशन, अजीतवाल व इगरू, लोशियारपुर, गुरदासपुर व डेरा बाबा नानक, जालंधर कैंट, तरनतारन, संगरूर के सुनाम, पटियाला के नाभा, फिरोजपुर के बसती दैंकां वाली व मल्लांवाला, बठिंडा के रामपुरा फूल, अमृतसर के देवीदासपुरा व मजीठा, फाजिल्का, मलेरकोटला के अहमदगढ़ में यह प्रदर्शन अगले तीन दिन तक जारी रहेगा।

आज सुबह ही किसान बड़ी गिनती में रेलवे लाइनों के पास इकट्ठा होना शुरू हो गए थे। किसान नेता सरवण सिंह पंधेर ने बताया कि किसान तीन दिन की पूरी तैयारी के साथ आए हैं। खाने-पीने व बैठने का पूरा इंतजाम हो चुका है और ट्रॉलियों में सोने के लिए गद्दे भी किसान साथ लेकर आए हैं। वहीं, हरियाणा के किसान नेता भी पंजाब के समर्थन में आ गए हैं।

मप्र में सपा देगी महिलाओं को 20 फीसदी टिकट : अखिलेश

» सपा प्रमुख ने जताई खुशी, बोले- कांग्रेस का जातीय जनगणना को समर्थन बड़ा बदलाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मध्य प्रदेश में एक जनसभा में कहा कि समाजवादी पार्टी महिलाओं को 20 फीसदी टिकट देगी। उन्होंने कांग्रेस के जातीय जनगणना के समर्थन करने को बड़ा बदलाव बताते हुए इस पर खुशी जाहिर की। साथ ही कहा कि सपा को मौका मिला तो मध्य प्रदेश में बहनों को प्रतिमाह 6 हजार रुपये, गांव में सोलर पैनल लगाकर गरीब-आदिवासियों को फी बिजली और मुफ्त आवास देंगे।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव मध्य प्रदेश के रीवा जिले के सिरमौर में बुधवार को बड़ी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने मध्य प्रदेश को बर्बाद कर दिया है। यह चुनाव केवल मध्य प्रदेश का नहीं है, बल्कि इसका संदेश आगामी लोकसभा चुनाव में भी जाएगा।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने किसानों से आय दोगुनी करने का वादा किया था, लेकिन दस साल की सरकार में आय दोगुनी नहीं हुई। भाजपा सरकार ने न यूपी के नौजवानों को नौकरी दी और न मध्य प्रदेश के नौजवानों के लिए कोई काम किया। भाजपा बताए कि विधानसभा चुनावों में महिलाओं को 33 फीसदी टिकट क्यों नहीं दे रही है। इसी से साबित होता है कि भाजपा की नीयत कभी साफ नहीं है। अखिलेश ने कहा कि समाजवादी पार्टी महिलाओं को 20 फीसदी टिकट देगी। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ने पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक वर्ग और अन्य महिलाओं को हमेशा आगे बढ़ाया। तमाम विरोध के बाद भी नेताजी मुलायम सिंह यादव ने फूलन देवी को टिकट दिया और लोकसभा में पहुंचाया। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि प्रतापगढ़ के समाजवादी पार्टी के नेता राजेश सिंह पर जानलेवा हमले की घटना निंदनीय है। हमले के शिकार राजेश सिंह के भाई दीप नारायण सिंह ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई, लेकिन पुलिस ने इस मामले में तेजी नहीं दिखाई।

विश्वभर के इस्कॉन के अनुयायी आरोपों से दुखी

आगरा में राधास्वामी सत्संग के कब्जे में जमीन खाली कराने के मामले में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा को निशाने पर लिया है। उन्होंने ट्वीट किया है कि भाजपाइयों ने पहले भूमाफियों से मिलकर राधास्वामी सत्संग को निशाना बनाया। अब भाजपा के लोग गोपालक भगवान कृष्ण के उपासकों पर ही कसाइयों को गाय बेचने का आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्वभर के इस्कॉन के अनुयायी इस आरोप से दुखी हैं। भाजपा सरकार से स्पष्टीकरण मांगते हुए कहा कि इसका संबंध सिर्फ प्रदेश व देश से ही नहीं है बल्कि अंतरराष्ट्रीय छवि से भी है।

भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र में एलन मस्क जैसे उद्यमियों की जरूरत : इसरो प्रमुख

» बोले- व्यक्तिगत जुनून की आवश्यकता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इसरो प्रमुख एस.सोमनाथ ने बुधवार को भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी जगत की अधिक से अधिक भागीदारी का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एलन मस्क की तरह ही भारत में भी अधिक से अधिक उद्योग जगत के लोगों को इसमें निवेश करना चाहिए। राष्ट्रीय राजधानी में एआइएमए के वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए सोमनाथ ने कहा कि हम अंतरिक्ष क्षेत्र में अधिक उद्योग के लोगों को देखना चाहते हैं। जैसे अमेरिका में एलन मस्क हैं। हमें यहां निवेश करने के लिए उनके जैसे किसी व्यक्ति की आवश्यकता है।

हालांकि, यह आसान क्षेत्र नहीं है। इसके लिए व्यक्तिगत जुनून की आवश्यकता है, असफलताएं मिलेंगी। इसलिए मेरी सलाह होगी कि ग्राउंड इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग जैसे एप्लिकेशन सेगमेंट में शुरुआत करें। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य भारत में अंतरिक्ष उपकरणों का अधिक से अधिक विनिर्माण देखना है। देश में कई उपकरण बनाए जाते हैं, यह इलेक्ट्रानिक्स क्षेत्र है, जहां चुनौतियां बनी हुई हैं। हमें अधिक उद्योग समर्थन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि राकेट डिजाइनिंग में लागत प्रभावशीलता पर काम किया जा रहा है, ताकि निजी संस्थाएं राकेट डिजाइन कर सकें।

भारत सनातन धर्म की उपज है : राज्यपाल

» आरएन रवि ने उदयनिधि स्टालिन पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। सनातन धर्म के खिलाफ द्रमुक नेता उदनिधि स्टालिन के बयान पर बवाल अभी थमा नहीं है। इस बीच, तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने कहा कि भारत ने वसुधैव कुटुंबकम थीम के तहत जी-20 शिखर सम्मेलन की सफल मेजबानी की है। इसने दुनिया को सनातन को स्वीकार करने और उसका जश्न मनाने के लिए प्रेरित किया है। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था।

द्रमुक मंत्री पर निशाना साधते हुए राज्यपाल ने कहा कि सनातन अविनाशी है। इससे पहले चेन्नई में एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए उदयनिधि ने सनातन की

तुलना मच्छरों, डेंगू, मलेरिया, बुखार और कोरोना से की थी और इसे खत्म करने का आह्वान किया था। रवि ने कहा, भारत की मेजबानी में जी-20 शिखर सम्मेलन सनातन मूल्यों, सनातन धर्म, वसुधैव कुटुंबकम के प्रति पूरी प्रतिबद्धता के साथ किया गया। आज दुनिया ने सनातन उत्सव मनाना शुरू कर दिया है।

शानन प्रोजेक्ट पर पंजाब ने मांगा मालिकाना हक

» सीएम मान ने कहा- शानन पावर हाउस प्रोजेक्ट पर हिमाचल का दावा दुर्भाग्यपूर्ण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हिमाचल प्रदेश में स्थापित और बीते 99 साल तक पंजाब के अधीन रहे शानन पावर हाउस प्रोजेक्ट को लेकर पंजाब सरकार ने बुधवार को केंद्रीय बिजली मंत्री को पत्र लिखकर इस प्रोजेक्ट का मालिकाना हक पंजाब को सौंपने की मांग की। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने केंद्रीय मंत्री को लिखे अपने पत्र में शानन पावर प्रोजेक्ट पर पंजाब के दावे को एतिहासिक तथ्यों के साथ रखा है।

उन्होंने हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा इस प्रोजेक्ट पर दावा किए जाने को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। मुख्यमंत्री मान ने लिखा कि हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा जोगिंद्रनगर में स्थित शानन पावर हाउस पर

मालिकाना हक जताया जा रहा है, जो पूरी तरह गलत है। उन्होंने इस प्रोजेक्ट के बारे में ऐतिहासिक तथ्यों का हवाला देते हुए पत्र में लिखा कि हिमाचल सरकार का यह दावा कि साल 1925 में मंडी के राजा ने इस प्रोजेक्ट के लिए 99 साल के लिए पंजाब को जमीन लीज पर दी थी, जिसकी समय-सीमा अगले साल मार्च 2024 में खत्म हो रही है। मुख्यमंत्री ने लिखा कि यह प्रोजेक्ट पंजाब पुनर्गठन एक्ट-1966 के उपबंधों के तहत पंजाब राज्य बिजली बोर्ड को सौंपा गया था। पंजाब पुनर्गठन एक्ट संसद का एक्ट है, जिसके आधार पर पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश राज्यों का गठन हुआ। इसी एक्ट ने नीचे की ओर बस्सी पावर हाउस (उहल हाइडल प्रोजेक्ट चरण-2) की मलकीयत और नियंत्रण हिमाचल प्रदेश राज्य बिजली बोर्ड को सौंपा था।

शानन प्रोजेक्ट का पंजाब ने अपने खर्चे पर किया विस्तार

भगवंत मान ने लिखा कि यह स्थिति आधी सदी से अधिक समय से भारत सरकार द्वारा बिना किसी छेड़छाड़ के कायम रखी गई है। पंजाब राज्य बिजली बोर्ड ने साल 1975 से 1982 तक अपने खर्चे पर शानन प्रोजेक्ट का विस्तार किया और इसकी क्षमता 48 मेगावाट से बढ़ाकर 110 मेगावाट की।

मप्र में 20 साल का कुशासन तंत्र : प्रियंका

» बोलीं- बच्ची के साथ हुई बर्बरता आत्मा को झकझोर देने वाली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। जितना-जितना विधान सभा चुनाव करीब आता जा रहा है प्रदेश में भाजपा के लिए मुश्किलें उतनी ही बढ़ती जा रही हैं। ऐसे में कांग्रेस को उज्जैन की घटना से बैठे बिठाए मुद्दा मिल गया है। दरसअल भगवान महाकाल की नगरी उज्जैन में 12 साल की बच्ची के साथ हुए दुराचार पर कांग्रेस हमलावर हो गई है।

राहुल गांधी, कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे के बाद अब प्रियंका गांधी ने भी मध्य प्रदेश सरकार पर जबरदस्त हमला बोला है। प्रियंका ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा कि भाजपा के 20 साल के कुशासन तंत्र में बच्चियां, महिलाएं, आदिवासी, दलित कोई सुरक्षित नहीं हैं। लाडली बहना के नाम पर चुनावी घोषणाएं करने का क्या फायदा है अगर बच्चियों को सुरक्षा और मदद तक नहीं मिल सकती? प्रियंका गांधी ने आगे लिखा कि भगवान महाकाल की नगरी उज्जैन में एक छोटी बच्ची के साथ हुई बर्बरता आत्मा को झकझोर देने वाली है। अत्याचार के बाद वह ढाई घंटे तक दर-दर मदद के लिए भटकती रही और फिर बेहोश होकर सड़क पर गिर गई, लेकिन मदद नहीं मिल सकी। ये है मध्य प्रदेश की कानून व्यवस्था और महिला सुरक्षा? उज्जैन में एक 12 साल की बच्ची के साथ दुराचार करके उसे घायल अवस्था में सड़क पर छोड़ दिया गया और ये बच्ची उज्जैन की सड़कों पर और गलियों में लोगों का दरवाजा खटखटाते हुए मदद मांगती रही, लेकिन किसी ने इसकी मदद नहीं की। बच्ची बोली से प्रयागराज की बताई जा रही है। फिलहाल उसका इलाज इंदौर में चल रहा है। इधर, इस मामले में अब तक एक आरोपी को हिरासत में लिया गया है और जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है।

जांच के लिए एसआईटी का किया गया है गठन

मोहनखेड़ा में पांच अक्टूबर को उठाएंगी मुद्दा

प्रियंका गांधी अगले महीने पांच अक्टूबर को धार जिले के मोहनखेड़ा आएंगी। वे यहां पर बड़ी रैली को संबोधित करेंगी। प्रियंका यहां मंच से उज्जैन की घटना का मुद्दा उठा सकती हैं। प्रियंका गांधी का मध्य प्रदेश का यह तीसरा दौरा है। इससे पहले वे 12 जून को जबलपुर और ग्वालियर में 21 जुलाई को आई थीं।

सियासी पैंतरेबाजी से मची उथल-पुथल

मप्र में भाजपा की सूची में केंद्रीय नेताओं के नाम से बवाल

» कांग्रेस का पलटवार- बीजेपी की हार तय
» बिहार में जदयू व राजद में घमासान
» राजस्थान में राजे व पायलट पर सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश से लेकर बिहार तक सियासी पैंतरेबाजी से राजनीतिक पार्टियों में उथल-पुथल मची है। जहां मध्य प्रदेश में भाजपा द्वारा जारी प्रत्याशियों की सूची पर कांग्रेस व भाजपा में वार-पलटवार चल रही है तो वहीं बिहार में जदयू व राजद में बीच-बीच में रार मचने से मीडिया सुर्खियां बनाने में जुटी है। कुल मिलाकर 2024 लोकसभा चुनाव को लेकर सभी सियासी पार्टियां गोट बिठाने में जुट गई हैं। राजस्थान, छत्तीसगढ़ व महाराष्ट्र अलग तरह कह बयार चल रही है भाजपा, आप, कांग्रेस राज्य में अपनी-अपनी सरकार बनाने के दावे कर रही हैं। कोई वापसी की गारंटी दे रहा है तो कोई सत्तारूढ़ दल को उखाड़ फेंकने की कसमे खा रहा है। किसके दावे में कितना दम है यह चुनावों के बाद पता चलगा पर इतना तो पक्का है कि जब तक लोस चुनावों की तारीख घोषित नहीं हो जाती है तब तक सियासत अपने कई रंग दिखाती रहेगी।

बिहार में मनोज झा ने महिला आरक्षण बिल पर चर्चा के दौरान राज्यसभा में कुछ ऐसी बात कही जिसकी वजह से अब बिहार में राजनीतिक बवाल मच गया है। पूरा का पूरा मामला अब ठाकुर बनाम ब्राह्मण का हो चला है। अपने ही पार्टी के एक विधायक के निशाने पर मनोज झा आ चुके हैं। देश 2024 के लोकसभा चुनाव की दहलीज पर खड़ा है। इसी कड़ी में बिहार की राजनीति पर भी सभी की नजर है। जहां एक ओर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जदयू में हलचल तेज है तो वहीं लालू प्रसाद यादव की पार्टी राजद में भी सब कुछ ठीक-ठाक नहीं दिख रहा है। दरअसल, राजद के भीतर ही अब बवाल शुरू हो गया है। पूरा का पूरा मामला राजद के वरिष्ठ नेता और पार्टी के राज्यसभा सांसद मनोज झा को लेकर है। मनोज झा ने महिला आरक्षण बिल पर चर्चा के दौरान राज्यसभा में कुछ ऐसी बात कही जिसकी वजह से अब बिहार में राजनीतिक बवाल मच गया है। पूरा का पूरा मामला अब ठाकुर बनाम ब्राह्मण का हो चला है। अपने ही पार्टी के एक विधायक के निशाने पर मनोज झा आ चुके हैं।

बीजेपी रिमोट कंट्रोल चोरी-छिपे दबाती है : राहुल

सांसद राहुल गांधी ने छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। बीजेपी और पीएम नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी जहां भी सरकार चलाती है। चाहे वो राजस्थान हो, हिमाचल प्रदेश हो, छत्तीसगढ़ या कर्नाटक। हम जनता की सरकार चलाते हैं। कर्नाटक में हमने पांच वादे किए, जो ऐतिहासिक रहे। चुनाव जीतने के बाद कैबिनेट ने पांचों वादे पूरे किए। छत्तीसगढ़ में हमने जो वादे किए थे, पहली कैबिनेट मीटिंग में ही वो पूरे कर दिए। ऐसा ही हिमाचल प्रदेश और राजस्थान में भी किया। हम आपसे 15 लाख रुपए वाले झूठे वादे नहीं करते। हमारा जो रिमोट कंट्रोल चलता है, वह सबके सामने चलता है। बीजेपी की तरह पीछे से नहीं। हमारी सरकार, किसान, मजदूर, श्रमिक, गरीबों, महिलाओं, आदिवासियों और पिछड़े वर्गों की सरकार है। राहुल गांधी ने बीजेपी और पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि दूसरी तरफ भी रिमोट कंट्रोल है। बीजेपी रिमोट कंट्रोल को चोरी-छिपे दबाती है। हमने कैमरे के सामने रिमोट कंट्रोल दबाया। पीएम नरेंद्र मोदी चोरी चुपके कंट्रोल दबाते हैं, जैसे रिमोट दबता है एक तरफ अदानी को मुंबई का एयरपोर्ट मिल जाता है। जब दोबारा दबाते हैं तो अदाणी को रेलवे का कॉन्ट्रैक्ट मिल जाता है। फिर दबाते हैं तो इंफ्रास्ट्रक्चर मिल जाता है। तो देश में दो रिमोट कंट्रोल चल रहे हैं। एक मेरा जो सबके सामने चलता है, हम इसे दबाते हैं तो किसानों के खाते में पैसा चला जाता है। 2500 क्विंटल धान में मिलता है। अंग्रेजी स्कूल खुलते हैं, लेकिन बीजेपी दबाती है तब पब्लिक सेक्टर प्राइवेट हो जाता है। आपका जल, जंगल, जमीन उनके छिपे बटन से अडानी के हवाले हो जाता है।

सीट बंटवारे पर 5 राज्यों के चुनाव के बाद होगा फैसला

इंडिया गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर सहमति नहीं बन पा रही है। सूत्रों ने बताया है कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के बाद ही सीट बंटवारे पर फैसला किया जाएगा। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने जो फॉर्मूला दिया था, उस पर बात नहीं बनी है, केजरीवाल 30 सितंबर तक सीट बंटवारा चाहते थे। दरअसल, विपक्षी दल भले ही एक गठबंधन के नीचे एक-साथ आ गए हैं, मगर उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती सीट बंटवारा ही है, हर दल की एक ही ख्वाहिश है कि उसे ज्यादा से ज्यादा सीटें मिल जाएं. कांग्रेस का इरादा है कि वह इस गठबंधन का नेतृत्व करे. इसलिए वह उन राज्यों में ज्यादा सीटें देने को इच्छुक नजर नहीं आ रही है, जहां उसकी सरकार है. कांग्रेस ने पहले ही इस बात की ओर इशारा किया था वह पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के बाद ही सीट बंटवारे पर बात करेगी। देश के पांच राज्यों मिजोरम, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान और तेलंगाना में इस साल के आखिर तक विधानसभा चुनाव होने हैं, इन चुनावों को लोकसभा चुनाव से पहले सेमीफाइनल के तौर पर देखा जा रहा है, माना जा रहा है कि इन पांच विधानसभा चुनावों में विपक्षी गठबंधन के दलों का जैसा प्रदर्शन रहेगा, उसके आधार पर ही उन्हें लोकसभा चुनाव के लिए सीटें दी जाएंगी, जिस पार्टी को यहां ज्यादा सीटें मिलेंगी, उसे ही लोकसभा चुनाव के लिए ज्यादा सीटें दी जाएंगी।

यह सब फालतू बात : नीतीश

हालांकि, सीएम नीतीश कुमार एक दिन पहले यानी 25 सितंबर को ही साफ कर चुके हैं। पं दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर मीडिया ने जब सीएम से पूछा कि आपके एनडीए में जाने की चर्चा चल रही है। इस सवाल के जवाब में सीएम नीतीश कुमार ने कहा था कि यह सब फालतू बात है। किसको क्या चर्चा करना है छोड़िए। कौन क्या बोलता है, उससे हमको क्या लेना देना है। आप जान रहे हैं कि विपक्षी दलों को एकजुट करने के लिए हम लगे हुए हैं। अब इसके बाद कौन क्या कहता रहता है उससे हमको क्या लेना देना है?

उम्मीदवारों की लिस्ट में नाम देख हैरान : कैलाश विजयवर्गीय

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने कहा है कि मध्य प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव में उन्हें मैदान में उतारने का केंद्रीय नेतृत्व का फैसला उनके लिए किसी बड़े आश्चर्य से कम नहीं है और वह अपनी पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए कुछ भी करेंगे। उन्होंने कहा कि यह पार्टी का आदेश है। मुझसे कहा गया कि मुझे ऐसा काम सौंपा जाएगा जिसके लिए मैं ना नहीं कहूंगा और मुझे वह करना होगा। जब टिकट की घोषणा हुई तो मैं भी हैरान रह गया। मैं पार्टी का सिपाही हूं। वे जो कहेंगे मैं वही करूंगा। विजयवर्गीय को इस साल के अंत में होने वाले मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए इंदौर-1 निर्वाचन क्षेत्र

से पार्टी ने मैदान में उतारा है। मध्य प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए सत्तारूढ़ भाजपा ने सोमवार को 39 उम्मीदवारों की अपनी दूसरी सूची जारी की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भोपाल में भाजपा कार्यकर्ताओं की एक विशाल सभा को संबोधित करने के कुछ घंटों बाद घोषित नई सूची में पार्टी के चार सांसद और तीन केंद्रीय मंत्री शामिल हैं। भाजपा की दूसरी सूची में तीन केंद्रीय मंत्री शामिल हैं - केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल, और ग्रामीण विकास और इस्पात राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते। जहां नरेंद्र सिंह तोमर दिमनी सीट से चुनाव लड़ेंगे, वहीं प्रह्लाद सिंह पटेल और फग्गन सिंह कुलस्ते क्रमशः नरसिंगपुर और निवास से चुनाव लड़ेंगे। 13 सितंबर को, भाजपा केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) ने राष्ट्रीय राजधानी में पार्टी के मुख्यालय में मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ चुनावों पर चर्चा के लिए एक बैठक की। बैठक में पीएम मोदी समेत बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृह मंत्री अमित शाह समेत चुनाव समिति के अन्य सदस्य और मध्य प्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान मौजूद रहे।

समाजवाद में किसी एक जाति को टारगेट करना दोगलापन : चेतन आनंद

मनोज झा ने ओमप्रकाश वाल्मीकि की कविता को सुनाया जिसमें ठाकुरों का जिक्र था और अंदर के ठाकुर को मारने की अपील की थी। अब इसी को लेकर बाहुबली नेता आनंद मोहन समेत उनके बेटे चेतन आनंद ने मनोज झा के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। चेतन आनंद ने तो साफ तौर पर कहा कि ठाकुर समाज सभी को साथ लेकर चलता है और समाजवाद में किसी एक जाति को टारगेट करना दोगलापन है। ऐसे बयानों को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जब मनोज झा राज्यसभा में बोल रहे थे तो उन्होंने अपनी कविता के जरिए ठाकुर समाज को टारगेट करने की कोशिश की गई। चेतन आनंद ने कहा कि मनोज झा ने ब्राह्मणों के खिलाफ किसी कविता का इस्तेमाल नहीं किया क्योंकि वह खुद ब्राह्मण है। हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। चेतन आनंद ने कहा कि अगर मैं राज्यसभा में होता और जब यह टिप्पणी की गई तो मैं धरने पर बैठ जाता। यह दोगलापन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पूरे मामले को राजद सुप्रीमों लालू प्रसाद यादव के सामने रखेंगे। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कह दिया कि मनोज झा क्यों नहीं अपने नाम से झा को हटा देते हैं। ऐसे नहीं चलेगा।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

आखिर क्यों नहीं रूक रही मणिपुर में हिंसा

संसद में अपील, सत्ता पक्ष से लेकर विपक्ष तक के नेताओं की गुजारिश के बाद भी पूर्वोत्तर के प्रमुख राज्य मणिपुर में हिंसा खत्म नहीं हो पा रही है। 147 दिनों के बाद भी वहां पर दोनों समुदायों के बीच रह-रह कर झड़पें हो रही है। इंटरनेट की सेवा खुलते ही ऐसे-ऐसे वीडियो वायरल हो रहे हैं कि उन्हें देखकर दिल दहल जा रहे हैं। आखिर ऐसा क्यों हो रहा है। सबसे बड़ी विडंबना तो यह है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पता नही क्यों नही एकबार वहां का दौरा कर रहे हैं। उनके दौरा न करने की बात कांग्रेस अध्यक्ष खरगे भी उठा रहे हैं। वहीं पूरा विपक्ष वहां के सीएम को हटाने की मांग भी कर रहे हैं। दरअसल, मणिपुर में स्टूडेंट्स की हत्या के बाद प्रदर्शन हिंसक हो गया। यह विजुअल मंगलवार रात का है। अब मणिपुर के पहाड़ी इलाकों मे आफ्सा अभी लागू रहेगा। सरकार ने इसे 1 अक्टूबर से छह महीने के लिए बढ़ा दिया है। सिर्फ 19 थाना क्षेत्रों को इससे अलग रखा गया है। बुधवार को लगातार दूसरे दिन भी प्रदर्शन हुआ। हजारों छात्र सड़क पर विरोध जताने उतरे। इस दौरान पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की जिसमें कुछ स्टूडेंट घायल हुए। वहीं इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम की महिला शाखा ने भी पांच महीने के दौरान आदिवासियों की हत्या और बलात्कार की सीबीआई जांच के आदेश में देरी के खिलाफ चुराचांदपुर में प्रदर्शन किया।

उधर स्टूडेंट की हत्या की जांच के लिए सीबीआई आज इंफाल जाएगी। यह जानकारी मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने दी है। उन्होंने कहा कि इस मामले में केंद्र और राज्य सरकार साथ मिलकर काम कर रही हैं। दोषियों को छोड़ा नहीं जाएगा। जल्द ही सभी आरोपियों की गिरफ्तारी होगी। राज्य में 23 सितंबर को मोबाइल इंटरनेट से बैन हटने के बाद दो स्टूडेंट्स के शवों की फोटो सामने आई थी, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। फोटो में दोनों की बॉडी जमीन पर पड़ी हुई नजर आ रही है। साथ ही लड़के का सिर कटा हुआ है। हालांकि दोनों के शव अभी तक नहीं मिले हैं। जुलाई में दोनों स्टूडेंट्स एक दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में दिखाई दिए थे, लेकिन उसके बाद से उनका पता नहीं चल सका है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें प्रदर्शन कर रहे लोगों से निपटने के दौरान एक आरएएफ जवान को यह कहते सुना गया कि ये हमारी जाति के नहीं है, जो करना है करो। मणिपुर पुलिस ने इस वीडियो का खंडन किया। पुलिस के मुताबिक, क्लिप में आवाज आरएफ जवान की नहीं है। सिक्योरिटी फोर्स की इमेज खराब करने के इरादे से यह किया गया। उरने का समय नहीं है। लोगों की मांग उठ रही है कि पीएम मोदी बीजेपी के अयोग्य मणिपुर के मुख्यमंत्री को बर्खास्त करें।

दरअसल, मणिपुर में स्टूडेंट्स की हत्या के बाद प्रदर्शन हिंसक हो गया। यह विजुअल मंगलवार रात का है। अब मणिपुर के पहाड़ी इलाकों मे आफ्सा अभी लागू रहेगा। सरकार ने इसे 1 अक्टूबर से छह महीने के लिए बढ़ा दिया है। सिर्फ 19 थाना क्षेत्रों को इससे अलग रखा गया है। बुधवार को लगातार दूसरे दिन भी प्रदर्शन हुआ। हजारों छात्र सड़क पर विरोध जताने उतरे। इस दौरान पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की जिसमें कुछ स्टूडेंट घायल हुए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जनतांत्रिक मूल्यों को नकारते असभ्य बोल

विश्वनाथ सचदेव

संसद का विशेष अधिवेशन बुलाने की आवश्यकता और औचित्य को लेकर अब भी सवाल उठ रहे हैं। वैसे यह अनुमान तो लगाया ही जा सकता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सत्तारूढ़ दल महिला-आरक्षण जैसे ऐतिहासिक विधेयक के साथ विशेष अधिवेशन को जोड़कर नए संसद भवन को भी कुछ और विशेष बनाना चाहते होंगे। निश्चित रूप से इस विधेयक का पारित होना भारतीय जनतंत्र की एक विशेष उपलब्धि है। वर्षों से, दशकों से कहना चाहिए, यह मुद्दा चर्चा और विवाद का विषय बना रहा है। ऐसा नहीं है कि इस संदर्भ में पहल नहीं हुई, पर हर बार कोई न कोई पेंच पड़ जाता था। इस बार लोकसभा और राज्यसभा दोनों ने लगभग शत-प्रतिशत बहुमत से इसे पारित किया है। यह बात अपने आप में कम महत्वपूर्ण नहीं है। भले ही इसे तत्काल लागू न करा कर सत्तारूढ़ दल ने कोई खेल खेला हो, पर फिर भी शुरुआत का स्वागत होना ही चाहिए। उम्मीद की जानी चाहिए कि राजनीतिक स्वार्थ से ऊपर उठकर इसे लागू करने की दिशा में शीघ्र ही कोई कदम उठाया जायेगा। फिलहाल तो यह एक ऐसा चैक ही है जिस पर कोई तारीख ही नहीं है।

लेकिन इस विशेष अधिवेशन को महिला आरक्षण विधेयक के संदर्भ में ही याद किये जाने की प्रधानमंत्री की चाह, शायद पूरी नहीं हो पायेगी। नए संसद भवन के इस पहले अधिवेशन के बजाय यह बात हमेशा याद रखी जायेगी कि जिस तरह के अपशब्दों का इस्तेमाल इस अधिवेशन में किया गया, वैसा हमारे पिचहत्तर साल के संसदीय लोकतंत्र में कभी नहीं हुआ था। असंसदीय शब्दों के इस्तेमाल की कहानी छोटी नहीं है, ऐसे शब्दों को लेकर एक पुस्तिका भी प्रकाशित की जा चुकी है और उसी के अनुसार न जाने कितनी बातों को संसदीय कार्रवाई से बाहर किया जा चुका है। आगे भी किया जाएगा। पर सवाल उठता है क्या मात्र इतना करना पर्याप्त है? लोकसभा में बहस के दौरान सत्तारूढ़ दल के एक वरिष्ठ सदस्य ने बहुजन समाजवादी पार्टी के उतने ही वरिष्ठ सदस्य के संदर्भ में जिन शब्दों को काम में लिया है वह इतने घटिया हैं कि उन्हें लिखना भी उचित नहीं माना जायेगा।

अध्यक्ष ने माननीय सदस्य के शब्दों को सदन की कार्रवाई से निकाल दिया है, और यह चेतावनी भी दी है कि आगे से फिर कभी भी ऐसे शब्दों को काम में लेंगे तो और कठोर कार्रवाई करनी पड़ेगी। सत्तारूढ़ दल के एक

वरिष्ठ नेता, देश के रक्षा मंत्री, ने तभी अपनी पार्टी के सदस्य की इस शर्मनाक हरकत पर खेद प्रकट करना जरूरी समझा था। इस खेद व्यक्त करने को क्षमा मांगने के रूप में भी प्रसारित किया जा रहा है। पर सवाल अभद्र शब्दों का नहीं, उस बीमार मानसिकता का है जिसके चलते देश का कोई सांसद संसद-भवन में कार्रवाई चलने के दौरान ऐसी घटिया और नितांत आपत्तिजनक भाषा काम में लेते हुए हिचकता नहीं। देश भर में इस घटना की चर्चा हो रही है, पर संबंधित सदस्य ने अभी तक क्षमा मांगने की बात तो छोड़िए, खेद व्यक्त करना भी जरूरी नहीं समझा है। जब उनसे इस बारे में पूछा गया तो उनका कहना था, 'नो कमेंट', और वे अपनी कार में बैठकर आगे बढ़ गए थे। उनका यह मानना है कि मामला लोकसभा-अध्यक्ष के समक्ष है, इसलिए उन्हें चुप रहना चाहिए। काश! वे तब भी चुप रहते जब उन्होंने सदन में उन आपत्तिजनक शब्दों को काम में लिया था। भाजपा के सांसद रमेश बिधूड़ी ने जो आपत्तिजनक और शर्मनाक बात कही थी वह सिर्फ बसपा के सांसद कुंवर दानिश अली के खिलाफ ही नहीं थी। वस्तुत: वे शब्द एक पूरी जमात के खिलाफ जाते हैं। जिस तरह से यह बात कही गयी थी, उसका सीधा-सा यही अर्थ निकलता है कि देश के अल्पसंख्यक समुदाय के प्रति उनकी क्या राय है। यह एक नितांत घटिया सोच की नितांत घटिया अभिव्यक्ति थी जो उस दिन देश की संसद में गूंजी। सड़क की भाषा और अभिव्यक्ति का देश की संसद में पहुंचना अपने आप में एक दुखद स्थिति है।

राजनीतिक विरोधियों के साथ वाद-विवाद जनतांत्रिक प्रणाली की आवश्यकता ही नहीं, विशेषता भी है। सांसदों में मतभेद होना भी स्वाभाविक है। मतभेदों की अभिव्यक्ति कटु भी हो सकती है। लेकिन जिस तरह की कटुता एक माननीय सांसद ने उस दिन सदन में दूसरे माननीय सांसद के प्रति दिखाई वह किसी भी दृष्टि से स्वीकार्य नहीं है। अब तो यह कल्पना करना भी मुश्किल लग रहा है कि आरोपी सांसद ने अपने साथी सांसद से अब आंख कैसे मिला पायेंगे। जीवन में भाषा की मर्यादा बनी रहे, यह जरूरी है। उतना ही जरूरी यह भी है कि देश के नागरिक एक-दूसरे के प्रति संयत और भद्र बने रहें। देश के विधायकों-सांसदों का तो यह भी दायित्व बनता है कि वे अपनी कथनी-करनी से देश के समक्ष उदाहरण प्रस्तुत करें।

अपार पर्यटन संभावनाओं के खुलते द्वार

प्रदीप सरदाना

भारत यूं तो शताब्दियों से पर्यटकों का आकर्षण रहा है। कभी किसी को यहां विश्व की सबसे प्राचीन नगरी काशी देखने की लालसा रही तो कभी ताजमहल देखने की। कभी कश्मीर की सुंदर वादियों ने लोगों को लुभाया। कभी कोणार्क सूर्य मंदिर, खजुराहो, तो कभी अजंता एलोरा की गुफाओं ने। असल में भारत में देश-विदेश के पर्यटकों के लिए इतनी विविधता है कि लगभग सभी को अपना पसंदीदा पर्यटक स्थल यहां मिलता रहा है। विश्व के कई देशों से भारत आए मेगस्थनी, फाहियान, ह्वेनसांग, अल बेरुनी, मार्को पोलो और इब्न बतूता जैसे यात्री प्राचीन भारत की विरासत, ऐतिहासिक धरोहर, कला, संस्कृति, प्रकृति, धार्मिक स्थलों और वास्तुकला आदि से सदा आकर्षित होते रहे हैं।

हालांकि अपार क्षमताओं के बावजूद विश्व मानचित्र पर भारत पर्यटन में अपनी बड़ी जगह नहीं बना पा रहा था। इसके लिए कमजोर बुनियादी ढांचा और सुरक्षा की कमी के साथ कुछ सख्त नियम भी बाधक बनते रहे। लेकिन पिछले कुछ बरसों में देश के बुनियादी ढांचे में हुए तेज विकास और 50 नए पर्यटन केंद्र विकसित होने से परिस्थितियां तेजी से बदली हैं। पिछले बरसों में बुनियादी ढांचे में बड़े निवेश से भारत की तस्वीर बदल गयी है। इससे भारत में अभी तो पर्यटन उद्योग बड़ा तो है ही। साथ ही आने वाले समय में जल्द ही भारत विश्व पर्यटन में अपनी बड़ी जगह दर्ज कर सकता है। यह भी कि अब राजधानी दिल्ली सहित देशभर में इतने नए आकर्षक स्थल बन गए हैं, जो विश्व में सबसे बड़े और अनूठे हैं। दिल्ली के प्रगति मैदान में ही 123 एकड़ में 2700 करोड़ रुपये की राशि से बना 'भारत मंडपम' विश्व का खूबसूरत और विशाल सम्मेलन केंद्र कहा जा सकता है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के ओपेरा हाउस की विश्व में धूम थी। लेकिन भव्य, आधुनिक और विशाल 'भारत मंडपम्' ने सभी को आकर्षित किया है। पिछले दिनों जी-20 सम्मेलन का आयोजन दिल्ली में हुआ तो यहां पहुंचे विश्व के लगभग सभी राष्ट्राध्यक्ष इसको देख अभिभूत हुए होंगे।

ऐसे ही दिल्ली के द्वारका में नवनिर्मित 'यशोभूमि' विश्व का सबसे बड़ा सभागार है। यशोभूमि के प्रथम चरण का हाल ही में उद्घाटन किया गया। कुल 8.9 लाख वर्ग मीटर की इस परियोजना में अभी 1.8 लाख वर्ग मीटर के शुरू हुए हिस्से में ही विशाल और प्रदर्शनी दीर्घा की भव्यता देखते ही बनती है। यहां जो अभी एक सभागार आरंभ हुआ है, उसकी क्षमता 6 हजार है। जिसकी सुविधाएं तो बेहतरीन हैं। इस सभागार की कुर्सियों और मंच को अपनी उपयोगिता और सुविधा से दस प्रकार से तैयार किया जा सकता है। साथ ही सभागार को दो हिस्सों में विभाजित करके एक साथ दो आयोजन किए जा सकते हैं। दिलचस्प यह है कि हवाई अड्डा निकट होने के कारण इस सभागार के ऊपर से थोड़ी-थोड़ी देर में फ्लाइट निकलती रहती है। लेकिन सभागार में उसकी भनक तक नहीं पड़ती।

हमारे देश में सामान्य पर्यटन, धार्मिक पर्यटन, ऐतिहासिक पर्यटन के बाद चिकित्सा पर्यटन की शुरुआत तो कुछ समय पहले ही हो चुकी है। लेकिन भारत मंडपम् और यशोभूमि देश में सम्मेलन पर्यटन की बड़ी शुरुआत कर सकते हैं। जिससे विश्व भर के लोग भारत में सम्मेलन आयोजित करने के लिए आएंगे। साथ ही घरेलू स्तर पर भी अभी जो बड़े आयोजन किसी खुले स्टेडियम या ग्राउंड में होते थे, यहां किये जा सकते हैं। अब फिल्मफेयर जैसे राष्ट्रीय पुरस्कारों के बड़े समारोह ही नहीं, विश्व के कई बड़े समारोह भारत में आयोजित होने लगेंगे। उधर हाल ही के बरसों में विश्व कीर्तिमान बनाने वाले कुछ भारतीय स्थलों ने भी भारतीय पर्यटन में क्रान्ति कर दी है। जिनमें सर्वाधिक चर्चित गुजरात का 'स्टेच्यू ऑफ यूनिटी' है। सरदार पटेल की 182 मीटर ऊंची विश्व की इस सबसे बड़ी प्रतिमा ने, विश्व में न्यूयॉर्क स्थित 'स्टेच्यू ऑफ लिबर्टी' को बहुत पीछे छोड़ दिया है। इसके प्रवेश शुल्क से ही एक बरस में 82 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो गया। इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर में दुनिया का सबसे ऊंचा चिनाब रेलवे पुल, राजमार्ग पर 10 हजार फुट की विश्व की सबसे लंबी अटल सुरंग, विश्व का सबसे बड़ा खेल स्टेडियम, एशिया का दूसरा सबसे लंबा रेल-सड़क बोगीपुल और भारत का सबसे लंबा भूपेन हजारिका सेतु कुछ ऐसे प्रमुख नए निर्माण हैं जिन्हें देखने की चाह सभी को है।

ऐसे ही भारत में आध्यात्मिक-धार्मिक पर्यटन भी नए क्षितिज छूने के लिए तैयार है। बुद्ध, कृष्ण और राम सर्किट बनने से विश्व भर के कृष्ण और बुद्ध भक्त तो देश में अब ज्यादा आ ही रहे हैं। हाल ही में केदारनाथ, विश्वनाथ, महाकाल और सोमनाथ मंदिरों के अनूठे कायापलट से घरेलू पर्यटकों की संख्या तेजी से बढ़ी ही है, विदेशी पर्यटक भी इस ओर बहुत आ रहे हैं। उधर अब जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के साथ पूर्वोत्तर के राज्य भी पर्यटकों की बड़ी पसंद बन चुके हैं। अब यहां पर्यटकों की संख्या तीव्रता से बढ़ रही है। भारत के पर्यटन में क्रान्ति लाने में देश में हजारों किलोमीटर की नई शानदार सड़कों और सेतुओं के साथ 74 नए हवाई अड्डों और चंद दिनों में ही 34 'वंदे भारत' जैसी आधुनिक रेलों के चलन की भी अहम भूमिका है। अब यदि 'अतिथि देवोभव:' संकल्प का देश के सभी राज्यों में पूरी तरह पालन हो और देश में नए प्रशिक्षित गाइड्स की भी पर्याप्त व्यवस्था हो तो आगामी दो बरसों में भारत पर्यटन में एक नया अध्याय जोड़ सकता है।

खूबसूरत त्वचा के लिए जरूरी है प्रोटीन

दुनिया का हर इंसान खूबसूरत दिखना चाहता है। इसके लिए लोग तमाम तरह की ब्यूटी प्रोडक्ट्स का धड़ल्ले से इस्तेमाल करते हैं। इसमें कोई शक नहीं है कि केमिकल्स से भरे ब्यूटी प्रोडक्ट्स आपको चंद पलों के लिए खूबसूरत और जवां तो बना देते हैं लेकिन लंबे समय तक इनका इस्तेमाल त्वचा के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। वास्तव में ब्यूटी प्रोडक्ट्स त्वचा के ऊपर काम करते हैं लेकिन हकीकत यह है कि त्वचा को भीतर से जवां और खूबसूरत बनाना जरूरी है। यह काम कोलेजन करता है। कोलेजन एक प्रोटीन होता है। बॉडी का 30 फीसदी प्रोटीन कोलेजन बनाता है और कोलेजन आपकी स्किन, मसल्स, हड्डियों और कनेक्टिव टिश्यू को सपोर्ट, स्ट्रेंथ और स्ट्रक्चर प्रदान करता है। उम्र जैसे-जैसे बढ़ती जाती है आपकी बॉडी का कोलेजन टूटता रहता है और बॉडी की नया कोलेजन बनाने की टेंडेंसी भी धीरे-धीरे कम होती रहती है। इसलिए आपको अपनी डाइट का ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

अश्वगंधा

आपको अपनी डाइट में अश्वगंधा को शामिल करना चाहिए। यह एक ऐसी आयुर्वेदिक जड़ी बूटी है, जिसके सेवन से बढती उम्र के लक्षणों को रोकने में मदद मिल सकती है। अश्वगंधा का सेवन करने से कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड्स के स्तर को कम करने में मदद मिल सकती है। जो लोग नींद न आने की समस्या से जूझ रहे उन लोगों को अश्वगंधा लेने की सलाह दी जाती है। अश्वगंधा के पत्तों में ट्राएथिलीन ग्लाइकोल नामक यौगिक होता है, जो गहरी नींद में सोने में मदद कर सकता है। अनिद्रा के शिकार लोगों के नींद की गुणवत्ता बेहतर करने के लिए अश्वगंधा का सेवन किया जा सकता है। शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बेहतर नहीं होगी, तो इसकी वजह से लोगों को बीमारियों से लड़ना मुश्किल हो जाता है।

देश घी

घी विटामिन ए, डी और ई से भरपूर होता है, जो स्वस्थ त्वचा के लिए आवश्यक है। विटामिन ए कोलेस्ट्रॉल के उत्पादन को बढ़ावा देने में मदद करता है, एक प्रोटीन जो त्वचा को स्वस्थ और सुंदर बनाता है। इसमें विटामिन होता है, जो उम्र बढ़ने के लक्षणों को कम करता है और समय से पहले बूढ़ा होने से रोकने में मदद करता है। चेहरे पर देसी घी लगाने से चेहरे की सूजन कम होती है। देसी घी को चेहरे पर इस्तेमाल करने के लिए रात को सोने से पहले देसी घी से चेहरे की मसाज करें। सुबह उठने के बाद चेहरे को कॉटन के कपड़े से साफ करें। उसके बाद चेहरे को नॉर्मल पानी से वॉश करें।

ब्राह्मी

ब्राह्मी ऐसा आयुर्वेदिक जड़ी बूटी है, जिसमें में एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-एजिंग गुण होते हैं जो सेल्स को बेहतर बनाते हैं और कोलेजन उत्पादन को बढ़ावा देते हैं। गर्भावस्था के बाद स्किन पिगमेंटेशन और स्ट्रेच मार्क को हल्का करने के लिए इसका उपयोग फार्मास्युटिकल और आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन में किया जाता है।

आंवला

आंवला विटामिन सी का सबसे बढ़िया नैचुरल सोर्स है। आंवला शरीर के कोलेजन लेवल को नैचुरली बेहतर बनाने में मदद करता है। यह उम्र बढ़ने के लक्षण पैदा करने वाले फ्री रेडिकल्स से बचाता है। यह त्वचा को ग्लो करने के साथ डैमेज स्किन को रिपेयर भी करता है। इसके अलावा डायबिटीज के मरीजों के लिए आंवला बहुत फायदेमंद होता है। मधुमेह के मरीज हल्दी के चूर्ण के साथ आंवले का सेवन करे। इससे मधुमेह रोगियों को फायदा होगा। बवासीर के मरीज सूखे आंवले को महीन या बारीक करके सुबह-शाम गाय के दूध के साथ हर रोज सेवन करे। इससे बवासीर में फायदा होगा। यदि नाक से खून निकल रहा है तो आंवले को बारीक पीसकर बकरी के दूध में मिलाकर सिर और मस्तिक पर लेप लगाइए। इससे नाक से खून निकलना बंद हो जाएगा।

तुलसी

तुलसी में अनेक गुण पाए जाते हैं लेकिन उर्सोलिक एसिड, रोसमारिनिक एसिड और यूजेनॉल इसके सबसे पावरफुल एंटीऑक्सीडेंट हैं। इसमें फ्री रेडिकल्स से लड़ने की ताकत होती है। इसके सेवन से त्वचा में कोलेजन बढ़ता है। तुलसी के पत्ते हमारे शरीर में कॉर्टिसोल हॉर्मोन की मात्रा को नियमित कर सकते हैं, जो एक तरह का स्ट्रेस हार्मोन होता है। विशेषकर तुलसी की चाय का सेवन करने से तनाव कुछ हद तक कम हो सकता है। रोगों से लड़ने की क्षमता को बेहतर बनाने में भी तुलसी के पत्ते खाने के फायदे देखे गए हैं। ये इम्यून सिस्टम की कार्यप्रणाली को बेहतर करने में मदद कर सकते हैं।

हंसना मना है

एक अंकल ने सोनू से पूछा- पढ़ाई कैसी चल रही है? सोनू ने जवाब दिया- अंकल, समंदर जितना सिलेबस है, नदी जितना पढ़ पाते हैं, बाल्टी भर याद होता है, गिलास गिलास भर लिख पाते हैं, चुल्लू भर नंबर आते हैं, उसी में डूब कर मर जाते हैं।

आज की जनरेशन- चेटिंग चेटिंग, येस पापा, गर्लफ्रेंड सेटिंग, नो पापा, टेलिंग लाइस, नो पापा, ओपन योर वॉट्सऐप हा हा हा।

सुरेश- तेरे घर से हमेशा हंसने की आवाज आती है, इतनी खुशी का राज़ क्या है? रमेश- मेरी बीवी मुझे जूते मारती है, लग जाए तो वो हंसती है, नहीं लगे तो मैं हंसता हूं।

एक महिला के पास फोन आया, आपका बेटा हमारे पास है, 25000 लेकर आओ, महिला- मैं पुलिस को फोन करती हूं, फोन करने वाला - हम पुलिस ही बोल रहे हैं, आपके बेटे का अपहरण नहीं, चालान हुआ है।

लड़की- क्या काम करते हो? लड़का- मैं एक राइटर हूं। लड़की- बताओ क्या लिखते हो? लड़का- अपना नंबर दो ना, एक फोटो तो दिखा दो, ब्यूटिफूल डियर, जैसे लेख लिखता हूं, अभी तक लड़की है बेहोश।

कहानी | संघर्ष का महत्व

एक बार एक किसान परमात्मा से बड़ा नाराज हो गया। कभी बाढ़ आ जाये, कभी सूखा पड़ जाए, कभी धूप बहुत तेज हो जाए तो कभी ओले पड़ जाये। हर बार कुछ ना कुछ कारण से उसकी फसल थोड़ी खराब हो जाये। एक दिन बड़ा तंग आ कर उसने परमात्मा से कहा- देखिये प्रभु, आप परमात्मा हैं, लेकिन लगता है आपको खेती बाड़ी की ज्यादा जानकारी नहीं है, एक प्रार्थना है कि एक साल मुझे मौका दीजिये, जैसा मैं चाहूं वैसा मौसम हो, फिर आप देखना मै कैसे अन्न के भण्डार भर दूंगा। परमात्मा मुस्कुराये और कहा- ठीक है, जैसा तुम कहोगे वैसा ही मौसम दूंगा, मै दखल नहीं करूंगा। अब, किसान ने गेहूं की फसल बोई, जब धूप चाही, तब धूप मिली, जब पानी चाही तब पानी। तेज धूप, ओले, बाढ़, आंधी तो उसने आने ही नहीं दी, समय के साथ फसल बढ़ी और किसान की खुशी भी, क्योंकि ऐसी फसल तो आज तक नहीं हुई थी। किसान ने मन ही मन सोचा अब पता चलेगा परमात्मा को की फसल कैसे करते हैं, बेकार ही इतने बरस हम किसानों को परेशान करते रहे। फसल काटने का समय भी आया, किसान बड़े गर्व से फसल काटने गया, लेकिन जैसे ही फसल काटने लगा ,एकदम से छाती पर हाथ रख कर बैठ गया! गेहूं की एक भी बाली के अन्दर गेहूं नहीं था, सारी बालियां अन्दर से खाली थी, बड़ा दुखी होकर उसने परमात्मा से कहा- प्रभु ये क्या हुआ? तब परमात्मा बोले-ये तो होना ही था, तुमने पौधों को संघर्ष का जरा सा भी मौका नहीं दिया। ना तेज धूप में उनको तपने दिया, ना आंधी ओलों से जूझने दिया, उनको किसी प्रकार की चुनौती का अहसास जरा भी नहीं होने दिया, इसीलिए सब पौधे खोखले रह गए। जब आंधी आती है, तेज बारिश होती है ओले गिरते हैं तब पौधा अपने बल से ही खड़ा रहता है, वो अपना अस्तित्व बचाने का संघर्ष करता है और इस संघर्ष से जो बल पैदा होता है वो ही उसे शक्ति देता है, उर्जा देता है, उसकी जीवटता को उभारता है। सोने को भी कुंदन बनने के लिए आग में तपने, हथौड़ी से पिटने, गलने जैसी चुनौतियों से गुजरना पड़ता है तभी उसकी स्वर्णिम आभा उभरती है, उसे अनमोल बनाती है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

प्रयास सफल रहेंगे। किसी बड़े कार्य की समस्याएं दूर होंगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। कर्ज में कमी होगी। संतुष्टि रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

वृषभ

स्थायी संपत्ति की खरीद-फरोख्त से बड़ा लाभ हो सकता है। प्रतिद्वंद्विता रहेगी। पार्टनरों का सहयोग समय पर मिलने से प्रसन्नता रहेगी।

मिथुन

पार्टी व पिकनिक की योजना बनेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे।

कर्क

घर-बाहर अशांति रहेगी। कार्य में रुकावट होगी। आय में कमी तथा नौकरी में कार्यभार रहेगा। बेवजह लोगों से कहासुनी हो सकती है। व्यवसाय से संतुष्टि नहीं रहेगी।

सिंह

मन की चंचलता पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी। जीवनसाथी पर आपसी मेहरबानी रहेगी। जल्दबाजी में धनहानि हो सकती है।

कन्या

दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। व्यवसाय में जल्दबाजी से काम न करें। चोट व दुर्घटना से बचें।

तुला

क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। पुराना रोग बाधा का कारण रहेगा। स्वास्थ्य पर खर्च होगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें।

वृश्चिक

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था नहीं होने से परेशानी रहेगी। व्यवसाय में कमी होगी। नौकरी में नोकझोंक हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं।

धनु

अज्ञात भय व चिंता रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। बगैर मांगे किसी को सलाह न दें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर

पूजा-पाठ व सत्संग में मन लगेगा। आत्मशांति रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

कुम्भ

प्रतिष्ठा वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। नौकरी में वर्चस्व स्थापित होगा। आय के स्रोत बढ़ सकते हैं। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। नई योजना बनेगी।

मीन

उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। भाग्य का साथ मिलेगा।

13 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी

तापसी पन्नू की फिल्म धक धक

तापसी पन्नू इन दिनों अपनी फिल्म डंकी को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। फिल्म में वह बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान के साथ नजर आएंगी। तापसी अभिनेत्री के साथ-साथ अब एक फिल्म निर्माता भी हैं। उन्होंने ब्लर फिल्म के साथ बतौर निर्माता अपने करियर की शुरुआत की थी, जिसमें उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई। यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई थी, जिसे मिलीजुली समीक्षा मिली। वहीं अब वह एक निर्माता के रूप में थिएटर में रिलीज होने वाली अपनी पहली फिल्म के लिए तैयार हैं। निर्माता तापसी पन्नू की सिनेमाघर में रिलीज होने वाली पहली फिल्म धक धक में कई कलाकारों की टुकड़ी है। फिल्म में रत्ना पाठक शाह, फातिमा सना शेख, दीया मिर्जा और संजना सांघी जैसे कई दिग्गज कलाकारों ने मुख्य भूमिका निभाई है। यह फिल्म 13 अक्टूबर को रिलीज होने वाली है। यह फिल्म अपने जीवन के विभिन्न चरणों में चार महिलाओं की दिल छू लेने वाली कहानी है, जो बाइक पर दुनिया के सबसे ऊंचे मोटर योग्य दर्रे तक जीवन बदलने वाली यात्रा करती हैं।

फिल्म का निर्देशन नवोदित निर्देशक तरुण डुडेजा ने किया है। वहीं फिल्म की कहानी पारिजात जोशी के जरिए लिखी गई है। मेकर्स इस हफ्ते फिल्म का प्रमोशन शुरू करने जा रहे हैं। वहीं फिल्म के ट्रेलर की रिलीज डेट का भी खुलासा हो चुका है। धक धक का ट्रेलर तीन अक्टूबर को लॉन्च किया जाएगा।

अपने फिल्मी लुक को लेकर निराश हैं सोनम कपूर

सोनम कपूर इन दिनों सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और अपने फैशन सेंस से दर्शकों की खूब तारीफें बटोरती हैं। हाल ही में, सोनम ममी फिल्म फेस्टिवल के वर्ड टू स्क्रीन कार्यक्रम का हिस्सा बनीं, जहां उन्होंने अपने ड्रेस डिजाइनिंग के बारे में खुलकर बात की है।

सोनम कपूर एक फैशननिस्टा है और उनका बोल्ड लुक अक्सर उनकी फिल्मों से ज्यादा धूम मचाता है। ममी फिल्म फेस्टिवल के वर्ड टू स्क्रीन कार्यक्रम में, एक्टर डिजाइन की कला पर चर्चा करने वाले एक पैनल का हिस्सा थी। उनके साथ निर्देशक आशुतोष गोवारिकर, निर्माता शिवेंद्र डूंगरपुर और कॉस्ट्यूम डिजाइनर श्रुति कपूर भी शामिल हुईं।

इस कार्यक्रम के दौरान सोनम ने स्क्रीन पर अपने कपड़ों को लेकर खुलासा किया कि फिल्म निर्माता उन्हें हमेशा एक जैसे ही कपड़ों में देखना पसंद करते हैं। अभिनेत्री ने कहा, फिल्म निर्माता मुझे साधारण कपड़ों और बिना मेकअप के पसंद करते हैं। मैं हमेशा नेक्स्ट-डोर गर्ल रही हूं। मैंने कभी आभूषणों और इंडियन क्लोथ्स वाली पीरियड फिल्म नहीं की है। अभिनेत्री ने आगे कहा, मैंने कभी कोई ऐसी ड्रामेटिक फिल्म नहीं बनाई है। मैं हमेशा साधारण सलवार कमीज पहनती हूं और मैं चांदनी चौक या पंजाब के एक छोटे से गांव के एक स्थान से हूं। इसलिए, मेरा सपना एक दिन एक पीरियड ड्रामा भूमिका निभाने का है।

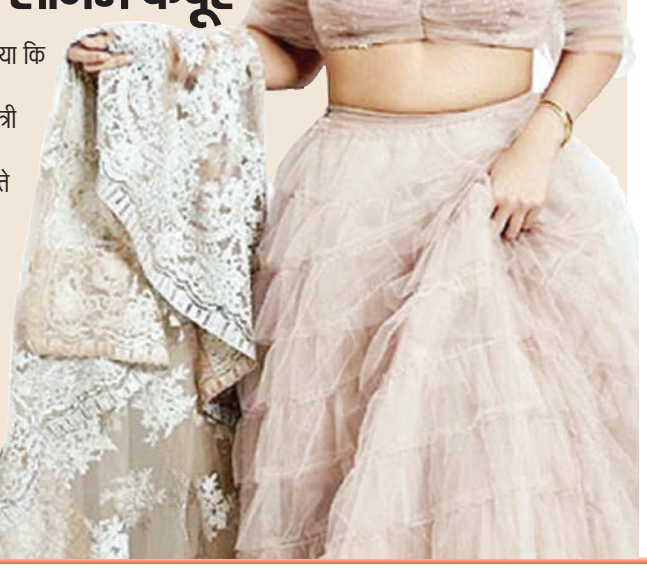

बॉलीवुड | मन की बात

मुन्नाभाई एमबीबीएस के दौरान मैं सेट पर ही सो जाता था : जिम्मी शेरगिल

जिम्मी शेरगिल हाल ही में नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज चूना में नजर आए थे। अपने फिल्मी करियर में अभिनेता ने मल्टीस्टारर फिल्म मोहब्बते, संजय दत्त की फिल्म मुन्नाभाई एमबीबीएस जैसी बेहतरीन फिल्मों में काम किया है। हाल ही में एक साक्षात्कार के दौरान एक्ट्रेस ने साल 2003 में आई फिल्म मुन्नाभाई एमबीबीएस को लेकर बड़ा खुलासा किया है।

राजकुमार हिरानी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में जिम्मी ने एक कैंसर के मरीज का किरदार निभाया है। शूटिंग के दिनों को याद करते हुए एक्टर ने कहा कि वे सेट पर जाकर हॉस्पिटल बेड पर सो जाते थे और उठकर बिना तैयार हुए शूटिंग करते थे। बातचीत के दौरान जिम्मी शेरगिल ने कहा, दिन में मैं पुणे के एयरबेस पर अग्निपंख नाम की फिल्म की शूटिंग कर रहा था और सूरज ढलने के बाद मैं वहां से सामान पैक करके मुंबई की फिल्म सिटी पहुंचता था, जहां मुन्ना भाई का सेट लगा हुआ था, जब ये लोग लाइटें लगा रहे थे, तो मैं अस्पताल के कपड़े पहनता था और उस बिस्तर पर सोता था क्योंकि मुझे पता था कि मुझे पूरी रात शूटिंग करनी होगी जिम्मी शेरगिल ने आगे कहा, शॉट तैयार होने पर वे मुझे जगा देते थे। क्योंकि मुझे बीमार दिखना था इसलिए कोई टेंशन नहीं थी कि उठने के बाद मेकअप के लिए बैठना है। लोगों को ऐसा लग रहा था कि वाह क्या किरदार में है, लेकिन मैं वास्तव में सो रहा था।

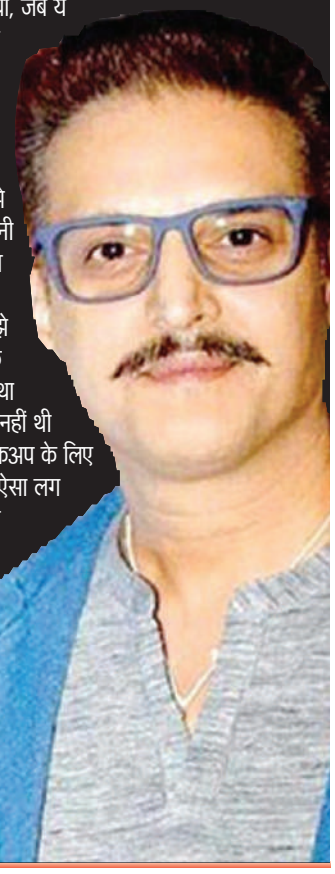

पोखरण में परमाणु परीक्षण के दौरान आखिर क्यों हुआ था प्याज इस्तेमाल

प्याज को हम खाने में इस्तेमाल करते हैं। बिहार, यूपी समेत देश के कई इलाकों में लोग लू लगने पर या बुखार आने पर इलाज के लिए इसका प्रयोग करते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि परमाणु परीक्षण के लिए भी प्याज बेहद जरूरी है। ऐसा कहा जाता है कि अटल जी की सरकार ने 11 मई 1998 को जब पोखरण में परमाणु बम का परीक्षण किया था तो कई टन प्याज वहां दबाया गया था। आखिर परमाणु परीक्षण के लिए प्याज इतना जरूरी क्यों है? अजब-गजब नॉलेज सीरीज के तहत आज हम आपको इसके बारे में बताने जा रहे हैं। भारत ने जब पोखरण में परमाणु परीक्षण किया था, तब किसी देश को भनक तक नहीं लग पाई। क्योंकि इसे बेहद सीक्रेट तरीके से अंजाम दिया गया। वैज्ञानिकों ने इसका कोड नेम 'व्हाइट हाउस' रखा था और चंद मिनटों के अंदर 58 किलो टन क्षमता के परमाणु बम का परीक्षण कर पूरी दुनिया को हिला दिया था। अभियान में मुख्य भूमिका निभाने वाले वैज्ञानिक अनिल काकोडकर ने स्वीकार किया था कि परीक्षण के दौरान प्याज का उपयोग किया गया था। उन्होंने इसकी वजह भी बताई थी। अनिल काकोडकर ने बताया था कि परमाणु विस्फोट के दौरान अल्फा, बीटा व गामा किरणें निकलती हैं। इनमें से गामा रेज को काफी घातक माना जाता है। अगर किसी की बॉडी तक यह पहुंच जाए तो शरीर के ब्लड टिशू को नष्ट करना शुरू कर देती है। इससे काफी नुकसान होने का डर रहता है। प्याज इन गामा रेज को बहुत अच्छी तरह से सोख लेता है, जिससे यह खतरनाक किरणें ज्यादा दूर तक नहीं फैल पातीं। भौतिक वैज्ञानिकों के मुताबिक, इसलिए जब पोखरण में परीक्षण किया गया तो भारी मात्रा में प्याज शॉफ्ट में भरा गया था, ताकि विकिरण न फैले। शॉफ्ट के चारों तरफ इसे अच्छे से बिछाया गया था। अगर परीक्षण विफल हो जाता तो रेडियो एक्टिव विकिरण पाकिस्तान और जैसलमेर तक फैल सकता था। कई लोगों की जान जा सकती थी। यहां तक कि इंसानों की कई पीढ़ियां बर्बाद हो सकती थीं जैसा जापान के हिरोशिमा और नागासाकी में परमाणु हमले के बाद हुआ था। लेकिन वहां बिछाए गए प्याज में यह क्षमता थी कि वह किसी भी विकिरण को अवशोषित कर ले। हालांकि, पोखरण में परमाणु परीक्षण वाले स्थानों पर हजारों टन प्याज के दफन किए जाने के सुबूत अभी तक सामने नहीं आ पाए हैं।

अजब-गजब | अफ्रीका की मसाई जनजाति को मानते हैं योद्धा

जमीन खराब न हो जाए इसलिए शव नहीं दफनाते हैं इस जनजाति के लोग

दुनिया ने भले बहुत तरक्की कर ली हो, लेकिन आज भी कई जनजातियां हैं जो पारंपरिक तरीके से अपना जीवन यापन करती हैं। इनका कल्चर इतना अजीब और अनोखा है कि कई बार तो यकीन ही नहीं होता कि कोई ऐसा भी कर सकता है। ऐसी ही एक जनजाति है मसाई जनजाति, जो शवों को सिर्फ इसलिए नहीं दफनाते ताकि जमीन न खराब हो जाए। गाय का खून चूसकर पीते हैं।

मसाई जनजाति अफ्रीका में मसाई मारा, सेरेनगेटी और अंबोसेली जैसे रिजर्व के पास पाई जाती है। हजारों साल बाद भी ये लोग पारंपरिक तरीके से जीवन यापन करते हैं। जंगली रेगिस्तानी इलाकों में जीवन बसर करने वाले इन लोगों को चरवाहों और योद्धाओं के रूप में जाना जाता है। दक्षिणी केन्या और उत्तरी तंजानिया में इनकी संख्या लगभग दस लाख के करीब है। मसाई जनजाति के लोग घुमंतुओं की तरह जिंदगी जीते हैं, ताकि इनके जानवरों को चरने के लिए नई जगह मिल सके।

मसाई ट्राइब्स अपने अनोखे कल्चर की वजह से काफी मशहूर हैं। इनके खुद के नियम कानून हैं। कोई भी सरकारी फैसला इन पर लागू नहीं होता। सबसे बुजुर्ग आदमी इस समुदाय का मुखिया माना जाता है। उसी के फैसले के अनुसार सभी

लोग काम करते हैं। आप जानकर हैरान होंगे कि यहां के लोगों का एक ड्रेस कोड भी है ताकि ये इन्हें पहचानना आसान हो। सभी लोग लाल रंग के कपड़े पहनते हैं, जिसे शुका कहा जाता है। एक परंपरा जो इस समुदाय को अन्य आदिवासियों से बिल्कुल अलग करती है, वह है कि ये लोग किसी प्रियजन की मृत्यु हो जाने पर शव दफनाते नहीं। इसके पीछे इनकी पवित्र भावना है। समुदाय के लोगों का मानना है कि शवों को दफनाने से जमीन खराब हो जाती है। इसलिए मौत के बाद शवों को खुले में छोड़ दिया जाता है।

एक और खास बात, इनके पास कितनी संपत्ति है यह इनके जानवरों और बच्चों की संख्या से तय होती है। जानवरों को इस समुदाय में काफी प्राथमिकता दी जाती है। खास बात, खाने के लिए लोग ज्यादातर दूध और मीट पर निर्भर हैं। बच्चे के जन्म या शादी ब्याह के मौके पर परिवार के लोग जानवरों का खून पीते हैं। खासकर गाय का खून। इसके लिए पहले गाय को एक तीर से घायल करते हैं और फिर पूरा परिवार उसका खून चूसकर पीता है। ध्यान रखा जाता है कि गाय की मौत न होने पाए। इन लोगों का मानना है कि इससे इम्युन सिस्टम मजबूत होता है। कई बार ये लोग नशा कम करने के लिए भी खून पीते हैं।

लालू को अपने लड़के को सीएम बनाने की चिंता : प्रशांत किशोर

पीके ने लोगों को किया जागरुक, बोले- अपने बच्चों के भविष्य का सोचिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुजफ्फरपुर। राजनीतिक सलाहकार व रणनीतिकार से राजनेता बने प्रशांत किशोर पिछले कई दिनों से बिहार की राजनीति में अपने पैर जमना चाहते हैं। इसके लिए वो पूरे बिहार में जन सुराज पदयात्रा कर रहे हैं और इस दौरान लगातार वो नीतीश कुमार और लालू परिवार पर हमला भी बोल रहे हैं। इसी क्रम में अब एक बार फिर प्रशांत किशोर ने लालू यादव और बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव पर निशाना साधा है।

प्रशांत किशोर ने यहां आयोजित जनसभा में लोगों से कहा कि नेताओं के अनपढ़ बच्चे राज कर रहे हैं और सामान्य परिवारों के युवा पढ़-लिखकर बेरोजगार बैठे हैं। उन्होंने कहा कि आपको जाति और धर्म चाहिए, लेकिन बच्चों की चिंता कीजिए, आप मेरे साथ खड़ा होने से पहले अपने बच्चों के साथ खड़ा होइए। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि ऐसा नहीं करने पर आपका बच्चो मजदूर नहीं बनेगा तो कौन बनेगा?

जाति-धर्म का झंडा छोड़ अपने बच्चों की करें चिंता

लालू यादव पर निशाना साधते हुए पीके ने कहा कि लालू जी को चिंता है कि हमारा लड़का मुख्यमंत्री बने। जबकि आपका लड़का मैट्रिक कर लिया, बीए कर लिया, एमए कर लिया। लेकिन फिर भी उसको चपरासी की नौकरी भी नहीं मिल रही है, लेकिन आपको चिंता नहीं है। आप तो जात का झंडा उठाए हुए हैं। धर्म का झंडा उठाए हुए हैं। आपका लड़का मजदूर नहीं बनेगा तो कौन मजदूर बनेगा भाई? लोगों से संवाद करते हुए प्रशांक किशोर ने कहा कि आपका बच्चा पढ़-लिखकर घर में बेरोजगार बैठा है। उसका मुंह आपको नहीं देखना है। लालू जी का लड़का कैसे बन जाए मुख्यमंत्री, मोदी जी कैसे बन जाएं प्रधानमंत्री। भाइयों इससे आपकी दशा नहीं सुधरने वाली है।

अपने बच्चों का चेहरा देखिए

प्रशांत किशोर ने यह भी कहा कि बहुत लोग कह रहे हैं कि आप आगे चलिए, आपके पीछे हम हैं। हम आपको हाथ जोड़कर कह रहे हैं कि हमें आपका साथ नहीं चाहिए। अरे जिस समाज में लोग अपने बच्चों के साथ नहीं खड़े हैं। आप हमारे साथ क्या खाक खड़ा होइएगा। हम आपके गांव में आ रहे हैं। यहां जो 100 बच्चे मिले हैं, उनमें से आधे से ज्यादा बच्चों के शरीर पर कपड़ा नहीं है। आपके जितने भी छोटे बच्चे यहां आए हैं, आप नजर घुमाकर देख लीजिए ज्यादातर बच्चों के पैर में चप्पल नहीं है। लेकिन आपको अपने बच्चों की चिंता नहीं है। आप तो जात का झंडा उठाए हैं। आपको धर्म चाहिए, आपको जाति चाहिए। अपने बच्चों का भविष्य नहीं चाहिए। ऐसे में आप नहीं भोगेंगे तो कौन भोगेगा? यही बताने के लिए गली-गली घूम रहे हैं। आपको ये समझा रहे हैं। मेरे भाई आपकी हमारी तो आधी से ज्यादा जिंदगी बीत गई है, कम से कम अपने बच्चों का चेहरा देखिए। नहीं देखेंगे तो आपके बच्चों का भला नहीं होगा।

स्मृति ईरानी पर टिप्पणी करने को लेकर कांग्रेस के पूर्व एमएलसी पर मुकदमा दर्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुंशीगंज के संजय गांधी अस्पताल के मामले को लेकर सीएमओ कार्यालय पर सत्याग्रह के दौरान केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में कांग्रेस के पूर्व एमएलसी दीपक सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है।

पुलिस मामले की जांच कर रही है। सीएमओ कार्यालय पर अमेठी बचाओ संघर्ष समिति के बैनर तले चल रहे सत्याग्रह के दौरान मंगलवार को एक निजी चैनल से बात करते हुए पूर्व एमएलसी दीपक सिंह का बयान वायरल हो रहा है। इसको लेकर राजनीतिक गहमागहमी का दौर चल रहा है। भाजपा के जिला महामंत्री केशव सिंह ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि पूर्व एमएलसी ने बातचीत के दौरान केंद्रीय मंत्री पर अपमानजनक टिप्पणी की है। इस मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। अस्पताल मामले को लेकर दो दिन तक चले सत्याग्रह को बुधवार की शाम को मशाल जुलूस के साथ एक दिन के लिए स्थगित करने की बात कही गई है।

केंद्रीय मंत्री का पुतला फूंकने में दो संविदा कर्मी बर्खास्त

संजय गांधी अस्पताल के मामले को लेकर मंगलवार को मुसाफिरखाना के पूरे पहलवान गांव में विरोध स्वरूप प्रदर्शन किया गया था। इसमें अमेठी सांसद व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी का पुतला फूंका गया था। स्थानीय कोतवाली में एफआईआर दर्ज कराई गई थी। जिसमें नामजद आरोपी बनाए गए दस लोगों में शामिल मनोज मिश्रा और अनुज तिवारी स्थानीय विद्युत उपखंड कार्यालय में संविदा कर्मी के रूप में कार्य कर रहे थे।

कर्मियों का सत्याग्रह जारी

मुंशीगंज स्थित संजय गांधी अस्पताल मामले को लेकर कर्मियों का सत्याग्रह तीसरे दिन भी जारी है। कर्मियों का कहना है कि जब तक मांगें पूरी नहीं हो जाती है तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

ममता सरकार के खिलाफ विरोध में एक मंच पर दिखे भाजपा-कांग्रेस

- बीजेपी नेता शुभेंदु अधिकारी कांग्रेस के साथ साझा किया मंच
- टीएमसी बोली- बंगाल में माकपा, कांग्रेस और बीजेपी का सीक्रेट एलायंस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। लोकसभा चुनाव के लिए तैयार हुए विपक्ष के इंडिया गठबंधन में तो कांग्रेस और टीएमसी एक साथ हैं, लेकिन पश्चिम बंगाल में दोनों एक-दूसरे पर हमलावर रहते हैं। ऐसा ही नजारा एक बार फिर प्रदेश में देखने को मिला। दरअसल, पश्चिम बंगाल में कांग्रेस ममता सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रही है। इस दौरान कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन में भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी भी पहुंचे। अब कांग्रेस और भाजपा को एक मंच पर देखकर टीएमसी को मिर्ची लगना तो बनता है। इसलिए शुभेंदु अधिकारी को कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन के मंच पर देखकर टीएमसी ने

आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में माकपा, कांग्रेस और बीजेपी ने उसके खिलाफ गुप्त गठजोड़ यानी सीक्रेट एलायंस किया है।

दरअसल, टीएमसी के पास से यह बयान तब आया है जब राज्य में बीजेपी के शीर्ष नेता सुभेंदु अधिकारी और कौस्तुभ बागची ने पश्चिम बंगाल में एक रैली में भाग लिया। यह रैली दक्षिण कोलकाता में स्थित कामक स्ट्रीट पर हुई थी जहां पर तृणमूल कांग्रेस महासचिव अभिषेक बनर्जी का कार्यालय है।

हम सत्ता के भूखे नहीं : एचडी देवगौड़ा

भाजपा से गठबंधन पर पार्टी में नेताओं के इस्तीफे को जेडीएस ने नकारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा और जेडीएस के बीच हुए गठबंधन से जेडीएस के अंदर ही माहौल ठीक नहीं है। वहीं इस गठबंधन को लेकर जेडीएस पर सवाल भी उठ रहे हैं। यही वजह है कि कांग्रेस के आरोपों पर जवाब देते हुए जेडीएस चीफ और देश के पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने कहा कि हम सत्ता के भूखे नहीं हैं। देवगौड़ा ने कहा कि उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को कर्नाटक में राजनीतिक स्थिति के बारे में विस्तार से समझाया था।

देवगौड़ा ने कहा कि हम सत्ता के भूखे नेता नहीं हैं। मैं पीएम मोदी से नहीं मिला हूं। हां, मैंने पिछले 10 सालों में पहली बार गृह मंत्री अमित शाह के साथ इस पर चर्चा की। मैंने उन्हें कर्नाटक की राजनीतिक स्थिति के बारे में बताया। गठबंधन को लेकर पार्टी के भीतर मतभेद की खबरों के बीच जेडीएस प्रमुख का बयान आया है। इसी बीच दो जेडीएस नेताओं ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। वहीं, पार्टी के कई मुस्लिम नेताओं ने भी पार्टी छोड़ने की बात कही है।

गठबंधन से पहले अपने नेताओं से की थी बात: देवगौड़ा

पूर्व पीएम देवगौड़ा ने कहा कि बीजेपी से गठबंधन करने से पहले उन्होंने पार्टी के विधायकों से चर्चा की थी। बीजेपी के साथ हाथ मिलाने के फैसले पर जेडीएस प्रमुख ने कहा कि गंठबंधन का फैसला करने से पहले भी, मैंने सभी 19 विधायकों और 8 एमएलसी से चर्चा की और उनकी राय ली थी। उन सभी नेताओं ने कहा कि आपको बीजेपी के साथ समझौता करने के बारे में सोचना चाहिए।

पार्टी में नुकसान का कोई सवाल ही नहीं: कुमारस्वामी

भाजपा के साथ गठबंधन के बाद मुस्लिम नेताओं के जेडीएस छोड़ने की खबरों के बारे में पूछे जाने पर जेडीएस नेता एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि पार्टी में नुकसान का कोई सवाल ही नहीं है। कोई भी इस्तीफा नहीं दे रहा है। हालांकि, उन्होंने कुछ कार्यकर्ता के इस्तीफा देने की बात स्वीकर की।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद जगी न्याय की उम्मीद

- पिता का दर्द, बोले- मेरे जीते जी कातिलों को सजा मिल जाए ये ही आखिरी इच्छा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजा भैया के गढ़ प्रतापगढ़ के कुंडा में पीट-पीटकर मार डाले जाने वाले डिप्टी एसपी जियाउल हक के पिता शमशुल हक ने अपने बेटे के जाने के बाद अपने परिवार के उजड़ जाने का दर्द साझा किया है। साथ ही उन्होंने आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलने की उम्मीद भी जताई है। अपने बेटे जियाउल हक के बारे में बताते हुए पिता शमशुल हक ने कहा कि मेरा बेटा डिप्टी एसपी था। पढ़ने में

जिया-उल-हक हत्याकांड

होनहार था, चौक-चौराहे के स्कूल से पढ़ाई करने के बाद जब नौकरी मिली तो आस जगी कि परिवार की मुश्किलें खत्म हो जाएंगी। पर बेटे की हत्या के बाद परिवार ही बर्बाद हो गया। दस साल बाद भी उसके कातिलों को अभी तक सजा नहीं हुई, इसका मुझे मलाल है। जीते जी बेटे के कातिल को सजा हो जाए, यही मेरी आखिरी ख्वाहिश है।

मेरे बेटे की हत्या में रघुराज का हाथ : शमशुल हक

इस मामले की जांच में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद नया मोड़ आ गया है। सीओ की पत्नी व ओएसडी पुलिस मुख्यालय परवीन आजाद की याचिका पर कुंडा विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया सहित अन्य पांच की भूमिका की फिर से सीबीआई जांच की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश की जानकारी होने पर सीओ के पिता शमशुल हक और मां हाजरा ने कहा कि इस फैसले से न्याय की उम्मीद जगी है। उन्होंने कहा कि बेटा चला गया और सब कुछ खत्म हो गया। गरीबी में एक-एक पाई जोड़कर अपने लड़के को अफसर बनाया था। जब सुख के दिन आए तो वह हमेशा के लिए चला गया। महज चौदह माह पहले उसकी शादी हुई थी। ये सब बातें जब याद आती हैं तो आंखें डबडबा जाती हैं। उन्होंने कहा कि कुंडा की घटना में रघुराज प्रताप सिंह का हाथ है, हमें यह पूरा यकीन है। निष्पक्ष जांच कर आरोपपत्र दाखिल हो और आरोपियों को सजा मिले, यही मेरी मांग है। वर्तमान में सीओ के माता-पिता की जिम्मेदारी उनके दूसरे बेटे शोहराब अली पर है। शोहराब गोरखपुर एडीजी ऑफिस में तैनात हैं। उनके कंधे पर पूरे परिवार की जिम्मेदारी है।

गौरतलब है कि डिप्टी एसपी जियाउल हक 2013 में प्रतापगढ़ के कुंडा में तैनाती के दौरान रात के समय हथिगवां थाना क्षेत्र के गांव बालीपुर में दो मार्च 2013 को दोहरे हत्याकांड की सूचना पर पहुंचे थे। जहां बेरहमी से पीटकर उनकी हत्या कर दी गई थी।

राजस्थान में भीड़ की कमी और नेताओं की नाराजगी बनी भाजपा के लिए मुसीबत

संघ के साथ होने वाली बैठक कैंसिल कर अचानक दिल्ली लौटे शाह-नड्डा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। भाजपा राजस्थान और मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों की तैयारियों में पूरी तरह से जुट चुकी है। इसके लिए पीएम मोदी भी इन राज्यों का दौरा कर रहें हैं और लोकलुभावन वादों का पिटारा भी खोल रहे हैं। हालांकि, इन दोनों ही राज्यों में भाजपा की स्थिति काफी कमजोर दिखाई दे रही है। क्योंकि इसकी एक बड़ी वजह दोनों ही राज्यों में पार्टी के अंदर मची अंतरकलह भी है। इसीलिए इस अंदरूनी कलह को शांत करने के लिए भाजपा का शीर्ष नेतृत्व इन राज्यों का दौरा कर रहा है। राजस्थान में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की नाराजगी भाजपा के लिए मुश्किलें खड़ी कर रही है। इसीलिए उन्हें मनाने के लिए कल गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा राजस्थान भेजे गए थे। जिसके बाद गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने जयपुर के एक होटल में कल देर रात तक प्रदेश के प्रमुख नेताओं के साथ बैठकें भी कीं।

इन बैठकों में नड्डा व शाह ने परिवर्तन यात्राओं में कई जगह भीड़ नहीं जुटने, नेताओं की गुटबाजी के चलते कई जगह स्थानीय नेताओं के विरोध जैसी घटनाओं पर नाराजगी जताई। साथ ही उन्होंने प्रदेश स्तर के नेताओं के बीच चल रही आपसी प्रतिस्पर्धा जैसे मुद्दों पर नड्डा और शाह ने नेताओं को नसीहत भी दी है। लेकिन इस बीच अब अचानक आज दोनों नेताओं की संघ पदाधिकारियों के साथ होने वाली मीटिंग व दूसरे कार्यक्रम कैंसिल हो गए। दोनों नेता राजस्थान से सीधे वापस दिल्ली के लिए रवाना हो गए।

ऐसे में अब सवाल ये ही कि क्या शाह और नड्डा वसुंधरा राजे को नहीं मना पाए? या फिर नेताओं की नाराजगी और परिवर्तन यात्रा में भीड़ न जुटने से भाजपा ने राजस्थान में भी अपनी हार स्वीकार कर ली है?

कई नेताओं ने की शाह-नड्डा से मुलाकात

दरअसल, आज अमित शाह और जेपी नड्डा की संघ पदाधिकारियों के साथ तय मीटिंग कैंसिल हो गई। इसको लेकर अब चर्चा है कि संघ के वरिष्ठ प्रचारक प्रकाशचंद को आगामी चुनावों के लिए बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है। इसी को लेकर दोनों नेताओं के स्थानीय संघ के पदाधिकारियों से बात करने की संभावना थी, लेकिन प्रोग्राम कैंसिल हो गया है। इसका कारण स्पष्ट नहीं किया गया है। इससे पहले आज सुबह दोनों नेताओं से मिलने प्रदेश के कई नेता होटल पहुंचे। सुबह केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, राष्ट्रीय मंत्री अलका सिंह गुर्जर और प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा ने होटल पहुंचकर नड्डा और शाह से मुलाकात की। इससे पहले देर रात हुई मीटिंग में प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, गजेन्द्र सिंह शेखावत, कैलाश चौधरी, प्रदेश चुनाव प्रभारी प्रहलाद जोशी, चुनाव प्रभारी अरुण सिंह, प्रदेश सह चुनाव प्रभारी विजया राहटकर, कुलदीप बिश्नोई, उप नेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया और सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ मौजूद रहे।

राजस्थान में सांसदों का चुनाव लड़ना अभी कंफर्म नहीं

मीटिंग से निकले केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सांसदों को चुनाव लड़ाने के सवाल पर कहा कि यह पार्टी नेतृत्व को तय करना है, बैठक में इस पर चर्चा नहीं हुई है। वहीं, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि पार्टी के आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा हुई है। सांसदों को चुनाव लड़ाने का फॉर्मूला राजस्थान में लागू होता है या नहीं, केंद्रीय चुनाव समिति तय करेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी के किसी भी वरिष्ठ नेता को इग्नोर नहीं किया जा रहा है, सभी मिलकर आगे बढ़ रहे हैं। बीजेपी के चुनाव प्रभारी प्रह्लाद जोशी ने कहा कि हमने बहुत विषय पर चर्चा की है। प्रत्याशियों के चयन के आधार पर चर्चा की गई है। चुनाव की घोषणा होने तक के कार्यक्रम तय किए गए हैं। सांसदों को चुनाव लड़ाने पर आगे विचार किया जाएगा।

एक दूसरे की टांग खिंचाई में लगा है इंडिया गठबंधन: नकवी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने पंजाब और बिहार में जारी घमासान पर विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन को लेकर तंज कसा है। नकवी ने कहा कि साथ मिलकर चुनाव लड़ने की बात कर रहे थे, अब एक-दूसरे की टांग खिंचाई में लग गए हैं। उन्होंने कहा कि ये तो शुरुआत है आगे और देखने को मिलेगा।

दरअसल, राष्ट्रीय जनता दल, जनता दल यनाइटेड, तृणमूल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और कांग्रेस इंडिया गठबंधन का हिस्सा हैं, लेकिन पश्चिम बंगाल, पंजाब और बिहार में ये दल आजकल एक-दूसरे से भिड़ने लगे हैं। जहां बिहार में आरजेडी सांसद मनोज झा के संसद में भाषण ने सियासी घमासान मचा दिया है, जिसमें बीजेपी ही नहीं राज्य में महागठबंधन का हिस्सा जेडीयू और खुद आरजेडी नेताओं ने भी मनोज झा के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उधर, पंजाब में कांग्रेस विधायक सुखपाल खेहरे की गिरफ्तारी से राज्य की सियासत गरमा गई है। तो वहीं पश्चिम बंगाल में भी कांग्रेस लगातार ममता सरकार पर हमला बोल रही है। इसी को लेकर भाजपा नेता ने तंज कसा है।

हरित क्रांति के जनक कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन का निधन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। भारत के महान कृषि वैज्ञानिक एम एस स्वामीनाथन का आज सुबह निधन हो गया। उन्होंने तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में सुबह 11.20 बजे 98 वर्ष की उम्र में अंतिम सांस ली। उनका जन्म 7 अगस्त, 1925 को हुआ था। एम एस स्वामीनाथन को भारत में हरित क्रांति का जनक माना जाता है।

» 98 साल की उम्र में दुनिया को कहा अलविदा

स्वामीनाथन डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर के वैज्ञानिक थे। उन्होंने 1972 से लेकर 1979 तक 'इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च' के अध्यक्ष के तौर पर भी काम किया। कृषि क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए भारत सरकार ने उन्हें पद्म भूषण से नवाजा था। स्वामीनाथन की गिनती भारत के महान कृषि वैज्ञानिकों के तौर पर होती हैं, जिन्होंने धान की ऐसी किस्म को तैयार किया, जिसने भारत के कम आय वाले किसानों को ज्यादा धान पैदा करने के काबिल बनाया।

हरित क्रांति ने बदली भारत की तस्वीर

कृषि वैज्ञानिक डॉ. स्वामीनाथन ने हरित क्रांति की सफलता के लिए दो केंद्रीय कृषि मंत्रियों सी. सुब्रमण्यम (1964-67) और जगजीवन राम (1967-70 और 1974-77) के साथ मिलकर काम किया। ये एक ऐसा प्रोग्राम था, जिसमें केमिकल-बायोलॉजिकल टेक्नोलॉजी के जरिए गेहूं और चावल की प्रोडक्टिविटी बढ़ गई। हरित क्रांति की वजह से भारत अनाज के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के रास्ते पर आगे बढ़ पाया। हरित क्रांति की वजह से भारत की तस्वीर बदल गई। अपने जीवन में स्वामीनाथन को तीन पद्म अवार्ड के अलावा ढेरों अवार्ड्स से नवाजा गया। स्वामीनाथन ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद में 1972 से 1979 तक और अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान में 1982 से 88 तक महानिदेशक के रूप में काम किया।

ड्रग्स तस्करी में कांग्रेस विधायक गिरफ्तार

2015 से चल रही थी जांच, एमएलए सुखपाल सिंह खैहरा ने बताया बदले की भावना से हुई कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमृतसर। पंजाब से आज सुबह ही कांग्रेस के लिए एक झटका देने वाली खबर आई। प्रदेश में कपूरथला के भुलत्थ से कांग्रेस विधायक सुखपाल सिंह खैहरा को आज सुबह 6.20 बजे चंडीगढ़ से गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें जलालाबाद पुलिस ने चंडीगढ़ सेक्टर 5 स्थित उनके निवास स्थान से कांग्रेस विधायक को गिरफ्तार किया।

पुलिस का कहना है कि कांग्रेस विधायक के खिलाफ ड्रग तस्करी का एक पुराना मामला था, जिस पर कार्रवाई करते हुए उन्हें अरेस्ट किया जा रहा है। जल्द उन्हें जलालाबाद कोर्ट में पेश किया जाएगा।

दरअसल, सुखपाल खैहरा पर 2015 के एक पुराने ड्रग केस मामले में जांच चल रही थी। इसमें डीआईजी की अगुआई में बनी एसआईटी की रिपोर्ट के आधार पर अब उनकी गिरफ्तारी हुई है। इस एसआईटी में दो एसएसपी भी शामिल रहे हैं। जबकि सुखपाल खैहरा का कहना है कि यह एक झूठा केस था, सुप्रीम कोर्ट ने भी उन्हें इस केस में राहत दी है।

सीएम का विरोध करता हूं, इसलिए किया गिरफ्तार : खैहरा

सुखपाल सिंह खैहरा ने अरेस्ट से पहले कहा कि यह पंजाब में जंगल राज, बदले की भावना से काम किया जा रहा है। क्योंकि मैं सीएम भगवंत मान का विरोध करता हूं, इसलिए मेरे खिलाफ यह कार्रवाई की जा रही है। मेरे पीछे सभी मेरे बेटे के साथ संपर्क कर सकते हैं। कांग्रेस विधायक ने कहा कि सभी से अपील है कि चिंता नहीं करनी। पहले भी इस प्रकार के 50 केस उन पर पड़ चुके हैं। आराम से लड़ूंगा। पर ये इनकी करतूत देख लो, पुराने 2015 के झूठे केस में चंडीगढ़ से अरेस्ट कर रहे हैं। जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने सम्मन क्रैश किए हुए हैं, रिलीफ मिली हुई है। फिर भी उसी केस में गिरफ्तार किया जा रहा है, जिसमें से कुछ मिला भी नहीं। खैहरा का आरोप है कि पुलिस ने उनको एक घूंट पानी तक नहीं पीने दिया और उसके हाथ से गिलास छीन लिया।

अयोध्या पुलिस मुठभेड़ में मानवाधिकार आयोग ने दर्ज किया केस

» अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने की थी शिकायत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने सरयू एक्सप्रेस ट्रेन में महिला कांस्टेबल प्रकरण में अयोध्या जिले में हुए पुलिस मुठभेड़ के संबंध में आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर द्वारा भेजी शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। अमिताभ ठाकुर ने मुठभेड़ में कथित रूप से घायल विशंभर दयाल दुबे की बेटी का 1.19 मिनट का एक वीडियो भेजते हुए जांच की मांग की थी।

इसमें ठाकुर ने कहा था कि पुलिस अभिलेख के अनुसार थाना इनायत नगर में

अनीस, आजाद खान और विशंभर दयाल दुबे के साथ 22 सितंबर 2023 की रात लगभग 1:30 बजे मुठभेड़ हुई, जिसमें आजाद खान और विशंभर दुबे पकड़ लिए गए।

इसके विपरीत विशंभर दयाल दुबे की बेटी के अनुसार उसके पापा उस दिन सुबह 5:00 बजे गांव में अपने घर पर सो रहे थे। तभी उनके घर सुल्तानपुर के अरुण अग्रवाल के नाम से नंबर प्लेट चेंज करके एक स्कॉर्पियो गाड़ी से कुछ लोग आए और विशंभर दुबे को घर से जबरदस्ती पकड़ कर ले गए। परिवार वालों ने इस संबंध में तत्काल प्रार्थना पत्र भी प्रेषित किया। युवती के अनुसार उसके पिता को घर से उठाकर फर्जी मुठभेड़ किया गया है। अमिताभ ठाकुर ने इसकी गहन जांच की मांग की थी। अब इसी पर मानवाधिकार ने मामला दर्ज कर लिया है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।